Jain Engineers' Society News

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002 **For Social Cause**

Year : 10, Edition : 7 Indore, 20 July 2011 **Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)**

JES THOUGHT : None are so empty as those who are full of themselves -

"जेस इन्दौर चेप्टर की गतिविधियॉं"

जेस इन्दौर चेप्टर द्वारा आगामी २४ जुलाई २०११ को जेस सदस्यो के प्रतिभावान बच्चो का सम्मान समारोह सेपियन्ट इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, खण्डवा रोड, इन्दौर पर आयोजित किया गया है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष इन्जी. महेन्द्र पहाडिया के नेतृत्व मे जेस इन्दौर चेप्टर ने विगत ७ वर्षो के दौरान करीब ५०० बच्चो को लगभग १५ लाख रु. की स्कॉलरशिप वितरित की है, जिनमे से कई बच्चे अपनी कालेज शिक्षा भी पूर्ण कर चुके है।

जिन बच्चो ने अपनी इन्जिनियरिंग की पढाई पूरी कर ली है, वे हमारे सदस्य बनकर अन्य प्रतिभावान गरीब बच्चो की सहायता के लिये आगे आ रहे हे। यह अत्यन्त ही हर्ष का विषय हे कि वे अपनी प्रतिज्ञा का पालन कर रहे है।

इस वर्ष भी हमने लगभग ३ लाख रू. की स्कालरशिप वितरित करने की योजना बनाई है व अभी तक करीब ७५ हजार रू. सदस्यो से प्राप्त हो चुके है।

इस कार्य मे वरीष्ठ सदस्य इन्जी. एस.के.जैन, संदीप जटाले, जितेन्द्र काला, पराग जैन, कपिल जैन, अरूण जैन, प्रदीप जैन (ACE), सतीश जैन (क्वालिटी) आदि सदस्यो का उल्लेखनीय सहयोग कोषाध्यक्ष इन्जी. शैलेन्द्र कटारिया को प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त गत ५ जून (पर्यावरण दिवस) पर वरिष्ठ सदस्य डॉ. सनत कुमार जैन के मार्गदर्शन मे स्थापित "ई-माइक्रो एक्टीडोजर" को जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। हमे दूसरी संस्थाओ से भी इस तरह के उपकरणो के लिये आग्रह लगातार प्राप्त हो रहे है।

इन्दौर चेप्टर ने अपने सदस्यो के परिवार के लिये "Knowledge Sharing"" प्रोजेक्ट की तैयारी की है जिसमे महिलाओ व बच्चो को कम्प्यूटर चलाने, Internet Browsing, रेल्वे व मूवी टिकट बुक करना, Online बैंक अकाउन्ट operate djuk] Online mobile , Credit Card , Electric, water , Property Tax Bill Payment करना आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण शिविर इस वर्ष समय-समय पर आयोजित किये जायेंगे ।

अमित जैन, मीडिया प्रभारी
जेस इन्दौर चेप्टर

फाउण्डेशन सचिव जेस औरंगाबाद मे

दिनांक २० जून, २०११, को जेस फाउण्डेशन के सचिव इंजी. श्री राजेन्द्र सिंह जैन, औरंगाबाद व्यवसायिक टूर पर आये थे। उनके विशेष आग्रह पर जेस औरंगाबाद चेप्टर की कार्यकारिणी की मीटिंग जिमखाना क्लब मे रखी गई जिसमे निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा हुईः

१. इस वर्ष की थीम - वेस्ट मेनेजमेन्ट पर किये जा रहे कार्य।
२. पिछले माह फरवरी से माह मई, २०११ के दौरान किये गये कार्यों की समीक्षा।
३. आने वाले समय मे हाथ मे लिये गये प्रोजेक्ट पर भी चर्चा की गई।
४. पूर्व अध्यक्ष इंजी. राजेश पाटनी, वर्तमान अध्यक्ष इंजी. कमल पहाड़े एवं उनकी टीम ने श्री राजेन्द्र सिंह जैन का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया एवं भोजन पश्चात मधुर स्मृति संजोये मीटिंग समाप्त हुई।

अभिनंदन मेघ मल्हार का, आनंद शुभ तिथियों का

जैस उज्जैन ने १० जुलाई २०११ को राम जनादर्न मंदिर के प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूरित व आध्यात्मिक गरिमा से भरे वातावरण में आनंदोत्सव का आयोजन कर प्रसन्नता, मैत्री, व सहयोग के नये आयाम स्थापित किये। सुबह सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित हुये प्रथम सत्र का शुभारंभ णमोकार महामंत्र के पाठ व मंगलाचरण के साथ हुआ। डॉ. एस.के. जैन व इंजी. आर.सी.जैन ने दृढ संकल्प व जैन मंत्रों के प्रभाव बताने वाले जीवन के सच्चे प्रेरक संस्मरण सभी को बताये। इंजी. अरूण जैन ने दिसम्बर में प्रस्तावित उत्कल प्रांत की यात्रा की विस्तृत जानकारी सदन को दी व तीर्थयात्रा, पर्यटन व सांस्कृतिक ज्ञान लेने का आव्हान किया। इसके पश्चात् भेरुगढ़ स्थित दिगम्बर जैन चंद्रप्रभु मंदिर व चित्र गुप्त मंदिर के दर्शन सभी ने सामूहिक रूप से किये।

अगला सत्र मनोरंजन व आनंद से परिपूर्ण था। जिसमें श्रीमती बबली पाटौदी, श्रीमती रितु जैन, व श्रीमती संगीता जैन ने ढेर सारी मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया व हर प्रतियोगिता के विजेताओं को फाईनल प्रतियोगिता में पुनः भाग लेना पड़ा। इसमें श्रीमती उषा अरुण जैन, श्रीमती संगीता -अतुल जैन, श्रीमती रानी-टीसी जैन, श्रीमती संगीता, शैलेन्द्र जैन, ने पुरस्कार प्राप्त किया।

परिवार के प्रत्येक सदस्य ने पूरे आनंद के साथ दिन भर के आयोजन में भाग लिया जिसमें इंजी. मनीष जैन, शैलेन्द्र जैन , सतेन्द्र जैन, अतुल जैन, अध्यक्ष आर.सी. जैन, इंजी वीर सेन जैन, इंजी अजय जैन, श्री डी.के. जैन ने भाग लिया एवं अध्यक्ष आर. सी. जैन के समर्पित सहयोग सराहे गये। इस माह इंजी. राजेश - श्रीमती रंजना जैन, इंजी. जे.के. जैन, श्रीमती रश्मि जैन, इंजी.टी.सी. जैन, श्रीमती रानी जैन, इंजी पी.सी. जैन-श्रीमती मंजुलता जैन, इंजी फूलचंद जैन, श्रीमती उषा जैन, इंजी अजय जैन (सचिव) श्रीमती रानी जैन- इंजी सतेन्द्र जैन - श्रीमती रश्मि जैन को ६, १३, १४, २०, २२, २८, व ३० जून को उनके दामपत्य की वर्षगांठ पर जैस परिवार द्वारा आत्मीय बधाई सभी के घर आयोजित उत्सव में दी गई। श्री फूलचंद जैन, श्री अमिताभ छजलानी, श्री संतोष जैन को उनके जन्मदिन १८ एवं ३० जून को जन्मदिन की बधाईयॉं भी पूरी गरिमा से संम्प्रेषित की। श्रीमती मुक्तामाला-प्रवीण जैन, को दामपत्य की वर्षगांठ ८ जुलाई को गरिमापूर्ण आयोजन में बधाई दी। जन्म दिवस के क्रम में १ जुलाई को इंजी राजेश जैन, व इंजी. राजेश जैन, एम.पी.ई.बी. को संगठन की शुभकामनायें दी।

इस माह भी सदस्यों में प्रेम, स्नेह व आत्मीयता के वर्द्धन के सुखद प्रसंग आयोजित किये गये। इन विभिन्न आयोजनों में इंजी. अरुण जैन की स्वरचित कविताओं की सभी दम्पत्ति साथियों को भेंट सुखद व प्रेरक रही। साथ ही जीवन के प्रेरक अनुभव सुनाने का आग्रह भी उत्साह वर्द्धक रहा।

बधाई ।

मा. प्रणव जैन पुत्री इंजी प्रवीण जैन ने बाल भवन उज्जैन में आयोजित राष्ट्रीय बाल भवन के बाल श्री सम्मान २०११ की जिला स्तरीय सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें रुपये तीन हजार की नगद राशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। कक्षा १० में अध्ययनरत मा. प्रणव जैन की इस उपलब्धि पर जैन संगठन की ओर से कोटिश बधाईयॉं।

इंजी. अरूण कुमार जैन
jainengineers@eth.net

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

पंजाब नेशनल बैंक, दादाबाड़ी अंचल मे प्रथम आने पर तथा श्री मीणा का मुख्य प्रबन्धक बनने पर अभिनन्दन

कोटा जैन इंजीनियर्स सोसायटी चेप्टर द्वारा श्री डी.एल मीणा, वरिष्ठ प्रबन्धक पंजाब नेशनल बैंक, दादाबाड़ी, का उनकी पदोन्नति मुख्य प्रबन्धक के पद पर होने पर अभिनन्दन किया गया एवं जैस का प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। जैन इंजीनियर्स सोसायटी के अध्यक्ष अजय बाकलीवाल, उपाध्यक्ष आर. के. जैन, सचिव प्रेमचन्द कासलीवाल एवं कोषाध्यक्ष पदम कुमार लुहाड़िया द्वारा श्री डी.एल मीणा से दिनांक ०२.०७.२०११ को जैस के खाते के संबंध मे भेंट की। बैंक से जो जानकारी मिली उसके अनुसार श्री डी.एल मीणा ने पंजाब नेशनल बैंक, दादाबाड़ी, के वरिष्ठ प्रबन्धक रहते हुए बैंक के वित्तिय प्रबन्धन मे महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होने समाज के कमजोर तबकों एवं अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकतम बैंक खाते खुलवाये तथा क्षेत्रीय स्तर बैंक को क्षेत्र की ४५ बैंकों मे प्रथम स्थान दिलाया।

श्री एच.के. राय, क्षेत्रीय प्रबंधक, द्वारा श्री मीणा को उनके कार्य पर प्रशंसा पत्र दिया एवं हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित की। श्री डी.एल मीणा का पदस्थापन मुख्य प्रबन्धक, पी.एन.बी के पद पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर मे हुआ है।

इंजी. अजय बाकलीवाल
अध्यक्ष
जैन इंजीनियर्स सोसायटी, कोटा चेप्टर

“REMEMBER EVERY MORNING”

1. Today is going to be a great day.
2. I can handle more than I think, I can.
3. I am going to make happy someone today.
4. I can be satisfied, if I try to do my best.
5. Things do not get better by worrying about them.
6. There is always something to be happy about them.
7. It is not good to be down.
8. Life is great making the most of it.
9. You can never become perfect if you became perfect you will loose everything
0. One must have ambition & must understand the minds of men.

“BE AN OPTIMIST”

Prem Kasliwal
Secretary Jes, Kota Chapter

A great wonder of the NATURE.

The World record breaking production of Banana from a single banana tree to a farmer from
Junnar Taluka, 50 km North of Pune...
It yielded 477 banana's in one tree

Er J.S.Pangaria, Indore

Boy and Icecream

Sometime ago, when the ice-creams were not so expensive, a ten-year old boy went to an Ice-Cream parlor. While sitting at the table, he asked the waitress, "How much does a Sundae cost?" "50 cents," she replied.

The boy took out his money from the pocket and began counting it. "Well, how much does a simple ice-cream cost?". There were other people waiting to be served, so the waitress began to get a little impatient. "35 cents!" she replied abruptly.

He counted his money again and said: "Please get me a simple ice-cream!" The waitress served him the ice-cream and his bill. The boy ate his ice-cream, paid his bill at the cash counter and left. When the waitress went to clean the table she began to cry… for there, in the corner of the plate, were 15 percents… her tip.

The boy took a simple ice-cream instead of a Sundae so he could leave a tip for her.

If you have never experienced the danger of war or the solitude of imprisonment, the agony of torture and hunger, you are much ahead of the 500 million people who live in this world. You have food in your refrigerator, clothes to wear, a roof on your head and a place to sleep, you are richer than the 75% of the people who live on this earth.

If you can go to your place of worship without being threatened, arrested, tortured or killed, you are luckier than the 3000,000,000 persons of this world.

If you have money in your bank account and your wallet and some loose change in some little box, you are one of the world's 8% well-to-do population.

If you are able to read this message, you have just received a double blessing…

One, someone is thinking about you…

Two, you are not one of those 2000,000,000 people who are illiterate!

Somebody said at some time:
Work as if you have no need of the money.
Love as if nobody ever made you suffer.
Dance as if nobody is watching you.
Sing as if nobody is hearing you.
Live as if the paradise were on this earth.

Er Niketan Sethi , Indore

JUDGE YOURSELF ! YOU ARE YOUR BEST JUDGE!!!

Once upon a time there was a painter who had just completed his course. He took 3 days and painted beautiful scenery. He wanted people’s opinion about his caliber and painting skills.

He put his creation at a busy street-crossing. And just down below aboard which read -”I have painted this piece. Since I’m new to this profession I might have committed some mistakes in my strokes etc. Please put a cross wherever you see a mistake.”

While he came back in the evening to collect his painting he was completely shattered to see that whole canvass was filled with Xs (crosses) and some people had even written their comments on the painting.

Disheartened and broken completely he ran to his master’s place and burst into tears. This young artist was breathing heavily and master heard him saying”I’m useless and if this is what I have learnt to paint I’m not worth becoming a painter. People have rejected me completely. I feel like dying”

Master smiled and suggested “My Son, I will prove that you are a great artist and have learnt flawless painting. Do as I say without questioning it. It WILL work.”

Young artist reluctantly agreed and two days later early morning he presented a replica of his earlier painting to his master. Master took that gracefully and smiled.

“Come with me.” master said.

They reached the same street-square early morning and displayed the same painting exactly at the same place. Now master took out another board which read -”Gentlemen, I have painted this piece. Since I’m new to this profession I might have committed some mistakes in my strokes etc. I have put a box with colors and brushes just below. Please do a favor. If you see a mistake, kindly pick up the brush and correct it.”

Master and disciple walked back home.

They both visited the place same evening. Young painter was surprised to see that actually there was not a single correction done so far. Next day again they visited and found painting remained untouched. They say the painting was kept there for a month for no correction came in!

Moral of the story: It is easier to criticize, but DIFFICULT TO IMPROVE!

So don’t get carried away or judge yourself by someone else’s criticism and feel depressed...

Er Lalit Sanghavi Mumbai

A Leader Should Know How to Manage Failure...

Former President of India Mahamahim APJ Abdul Kalam at Wharton India Economic forum, Philadelphia , March 22, 2000

Question: Could you give an example, from your own experience, of how leaders should manage failure?

Kalam: Let me tell you about my experience.

In 1973 I became the project director of India 's satellite launch vehicle program, commonly called the SLV-3...

Our goal was to put India 's "Rohini" satellite into orbit by 1980.

I was given funds and human resources -- but was told clearly that by 1980 we had to launch the satellite into space.

Thousands of people worked together in scientific and technical teams towards that goal.

By 1979 -- I think the month was August -- we thought we were ready.

As the project director, I went to the control center for the launch. At four minutes before the satellite launch, the computer began to go through the checklist of items that needed to be checked. One minute later, the computer program put the launch on hold; the display showed that some control components were not in order.

My experts -- I had four or five of them with me -- told me not to worry; they had done their calculations and there was enough reserve fuel. So I bypassed the computer, switched to manual mode, and launched the rocket.

In the first stage, everything worked fine. In the second stage, a problem developed. Instead of the satellite going into orbit, the whole rocket system plunged plunge into the Bay of Bengal . It was a big failure.

That day, the chairman of the Indian Space Research Organization, Prof. Satish Dhawan, had called a press conference.

The launch was at 7:00 am, and the press conference -- where journalists from around the world were present -- was at 7:45 am at ISRO's satellite launch range in Sriharikota [in AP]

Prof. Dhawan, the leader of the organization, conducted the press conference himself.

He took responsibility for the failure…

He said that the team had worked very hard, but that it needed more technological support.

He assured the media that in another year, the team would definitely succeed.

Now, I was the project director, and it was *my*failure, but instead, he took responsibility for the failure as chairman of the organization.

The next year, in July 1980, we tried again to launch the satellite -- and this time we succeeded.

The whole nation was jubilant. Again, there was a press conference.

Prof. Dhawan called me aside and told me, "You conduct the press conference today."

I learned a very important lesson that day.

*When failure occurred, the leader of the organization owned that failure.

When success came, he gave it to his team. The best management lesson I have

learned did not come to me from reading a book; it came from that experience...

Er Mahendra Pahadia, Indore

PETROL BUYING TIPS

Only buy or fill up your car or truck in the early morning when the ground temperature is still cold. Remember that all service stations have their storage tanks buried below ground. The colder the ground the more dense the Petrololine, when it gets warmer Petrololine expands, so buying in the afternoon or in the evening....your gallon is not exactly a gallon. In the petroleum business, the specific gravity and the temperature of the Petrololine, diesel and jet fuel, ethanol and other petroleum products plays an important role.

A 1-degree rise in temperature is a big deal for this business. But the service stations do not have temperature compensation at the pumps.

When you're filling up do not squeeze the trigger of the nozzle to a fast mode If you look you will see that the trigger has three (3) stages: low, middle, and high. You should be pumping on low mode, thereby minimizing the vapors that are created while you are pumping. All hoses at the pump have a vapor return. If you are pumping on the fast rate, some of the liquid that goes to your tank becomes vapor. Those vapors are being sucked up and back into the underground storage tank so you're getting less worth for your money.

One of the most important tips is to fill up when your Petrol tank is HALF FULL. The reason for this is the more Petrol you have in your tank the less air occupying its empty space. Petrololine evaporates faster than you can imagine. Petrololine storage tanks have an internal floating roof. This roof serves as zero clearance between the Petrol and the atmosphere, so it minimizes the evaporation. Unlike service stations, here where I work, every truck that we load is temperature compensated so that every litre is actually the exact amount.

Another reminder, if there is a Petrololine truck pumping into the storage tanks when you stop to buy Petrol, DO NOT fill up; most likely the Petrololine is being stirred up as the Petrol is being delivered, and you might pick up some of the dirt that normally settles on the bottom.

To have an impact, we need to reach literally millions of Petrol buyers. It's really simple to do.

Ramesh Chandra Vanawat

The Silent Earth

हिन्दी साहित्य के अतिरिक्त संस्कृत, अॅंग्रेजी, प्राकृत, कन्नड़ एवं बांग्ला आदि भाषाओं मे भी प्रभूत साहित्य का सृजन करने वाले दिगम्बर जैनाचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के द्वारा लिखित लोकविश्रुत कालजयी हिन्दी महाकाव्य 'मूकमाटी' के अॅंग्रेजी रुपान्तरण 'The Silent Earth' का लोकार्पण राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली मे गरिमामय समारोह पूर्वक राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

'ज्ञानपीठ पुरस्कार' संज्ञक भारतीय साहित्य का श्रेष्ठ राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदाता भारतीय ज्ञानपीठ, नईदिल्ली के द्वारा 'मूकमाटी' महाकाव्य का हिन्दी एवं उसके मराठी, बांग्ला अनुवादों के प्रकाशन के उपरांत श्री लालचन्द्र जैन, ललितपुर (उ.प्र.) द्वारा अॅंग्रेजी भाषा मे अनुवादित 'मूकमाटी' कृति भी अब श्जीम ैपसमदज म्तजीश रुप मे प्रकाशित होकर सुधी जनों के हाथों मे सुशोभित हो रही है।

भारतीय वाड्मय के विकास मे जैन श्रमण परम्परा का सदैव महत्वपूर्ण एवं गौरवमय स्थान व विशिष्ठ अवदान रहे है। इसी के अन्तर्गत हिन्दी साहितय की शोभाश्री को वृद्धिंगत करने वाले जैन श्रमण परम्परा के कीर्तिमान नक्षत्र के रुप मे सुप्रसिद्ध जैनाचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महाराज का नाम हमेशा ही एक सशक्त हस्ताक्षर के रुप मे समादृत किया जाता है। सुदूरवर्ती कर्नाटक प्रान्त के बेलगॉव जिले मे अवस्थित 'सदलगा' के निकटवर्ती 'चिक्कोड़ी' ग्राम मे ६५ वर्ष पूर्व जन्मे होने से मातृभाषा कन्नड़ होते हुए भी आपकी सुमेधा सें प्रसूत साहित्यिक तूलिका ने बहुविध एवं बहु-भाषाओं मे आलेखन कार्य सम्पादित किया है।

आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा लिखित संस्कृत रचनाएॅं जहॉं भाषा शैली की अनुपम छटा व अनूठे प्रयोगों से ओत-प्रोत है, वहीं हिन्दी काव्य- सम्पदा भी भाव तथा शिल्प की अभिनवता से परिपुष्ट है। पद-दलित चेतना, सर्वहारा वर्ग की आवाज, आतंकवाद, शोषण, वर्गभेद, समाजवाद, आर्थिक विषमता, यशोलिप्सा, आरक्षण तथा भ्रष्टाचार प्रभृति समकालीन अनेक सामाजिक विद्रूपताओं के प्रति शंखनाद करने वाले आपका 'मूकमाटी' महाकाव्य अपनी स्वर्णिम आभा से साहित्याकाश को आलोकित कर रहा है।

चेतना के उदात्तीकरण, समतामूलक समाज, जनवादी भावना, मानवतावादी दृष्टिकोण, सामुदायिकता आदि को प्रोत्साहित करने वाला 'मूकमाटी' महाकाव्य अद्यावधि अपनी लोकप्रियता एवं जनमानस की व्यापक अभिरुचि के कारण जहॉं दसवीं आवृत्ति के रुप मे प्रकाशित होकर पाठकों तक हाथों-हाथ पहॅुंचा है, वहीं अॅंग्रजी मे तीन बार, मराठी मे तीन बार, कन्नड़ मे दो बार प्रथक-प्रथक मनीषियों द्वारा अनुवादित होकर तथा बांग्ला एवं गुजराती मे भी अनुदित पाकर/पढ़कर पाठक वर्ग आपके नूतन विचारों एवं भंगिमाओं से प्रभावित हो रहा है।

आचार्य श्री विद्यासागर जी के रचना-संसार पर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से अभी तक ४ डी. लिट्, २८ पी-एच.डी.श ८ एम. फिल., २ एम. एड. तथा ६ एम. ए. के शोध प्रबंध ा लिखे जा चुके / रहे हैं। इनमे से अनेक शोध प्रबंध अब तक प्रकाशित होकर पाठक जगत को आचार्य प्रवर के मौलिक एवं नूतन भावों का परिचय करा रहे हैं।

संस्कृत, प्राकृत एवं हिन्दी मे सृजित आपकी अनेक कृतियॉं विभिन्न विश्वविद्यालयीन पाठयक्रमों मे अंगीकृत होकर शिक्षा जगत मे विद्यार्थियों को नया दिशाबोध, अभिनव विचार-संपदा, नैतिकता जागरण, सदाचरण तथा व्यसन-मुक्त जीवन-शैली का पाठ पढ़ा रही है। साहित्यिक सौष्ठव से ओत-प्रोत आपका 'मूकमाटी' महाकाव्य काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.) मे एम.एं (हिन्दी) के पाठ्यक्रम मे सम्मिलित होकर अपनी अनूठी आभा से विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क को आलोकित कर रहा है।

'मूकमाटी' महाकाव्य की सौंधी सुगन्ध से आकृष्ट होकर देश-विदेश के करीब ३०० विज्ञ समालोचकों ने अपनी प्रज्ञा से इस विचार-समुद्र का समुचित मंथन करके, उसके विविध पक्षों पर जमकर विचार आलेख लिखे थे। भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन ने सुप्रसिद्ध समालोचक व साहित्य अकादमी नई दिल्ली के पूर्व सचिव डॉ. प्रभाकर माचवे एवं प्रखर चिन्तक व विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी द्वारा चयनित एवं सम्पादित 'मूकमाटी' पर केन्द्रित ये समीक्षाएॅं अब 'मूकमाटी-मीमांसा' नाम से ए-४ आकार वाले ३ खण्डों के कुल १६०० से भी अधिक पृष्ठों मे पाकर/पढ़कर पाठक इसके बहुविध पक्षों का परिचय प्राप्त कर दिशाबोध पा रहे हैं।

नितिन कुमार जैन ०९९९३२८५१८९
Email-: nitin_jains@rediffmail.com

Answer of Puzzle Point # 9 : "Columbus"

A boy can reach to the central part of the pond by arranging both planks as shown in figure. You may verify it using Pythagoras' theorem.

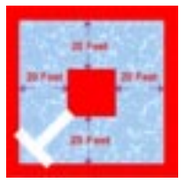

No answer was received against puzzle point #9.

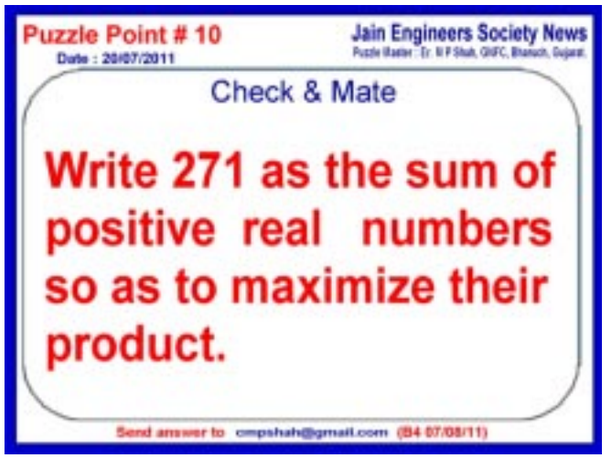

"हम साथ साथ है, एक दुजे के लिए" खुशहाल पारिवारिक जीवन के २१ टिप्स

यदि पति-पत्नि के रिश्तों में समर्पण की भावना, एक दूसरे की भावना को समझने की क्षमता, तथा वे सुख दुःख बाटने के लिए कटीबद्ध है तो स्वर्ग धरा पर ही है।

युवक-युवती अग्नि को साक्षी मानकर, सात फेरे लेकर एक दूसरे का साथ निभाने के लिए वचनबद्ध होते है और यही से एक नये जीवन की शुरूआत होती है।

जहां पत्नि अपना बचपन, मॉ-बांप का घर, भाई बहन का साथ छोड़कर, एक नये परिवार को अपनाती है तो पुरूष वर्ग उसके इस त्याग को समझे तो जीवन की खुशियां उसे स्वतः ही मिल जावेगी।

शिव की पूजा हो या करवा-चौथ या सुहाग-दशमी का व्रत, पति की लंबी आयु की आत्मीय प्रार्थना और कठिन व्रत का वह दिन, पत्नि की श्रद्धा एवं समर्पण समझने हेतु पर्याप्त है।

यूँ तो वह पूरी जिन्दगी के लिए समर्पित है, लेकिन इस तरह के वृत और कामना कर, वह खुद के समर्पण की भावना आजमाती रहती है।

क्या आप यानी पतिदेव, भी कभी कुछ ऐसा करते है ?व्रत नही तो कुछ तो ऐसा करते ही होगे आप, अपनी पत्नी की खुशी के लिए ?

पति-पत्नि के रिश्ते में प्यार से हक जताने में ही हर खुशी ओर सुख मिल सकता है, क्योंकि यह पवित्र रिश्ता रिल का होता है, जजबात का होता है और एक दूसरे की भावनाओं के समझने का होता है। कोई भी एक दूसरे को दुःखी नहीं देख सकता है। जिन्दगी तब ही खुशहाल हो सकती है, जब उसे अपने साथी की खुशी नजर आती है।

तो आईये हम पति-पत्नि एक दूसरे को समझे तथा खुशहाल जिन्दगी के लिए निम्न टीप पर अमल करे :-

१) क्षमा करें, क्षमा मांगे :-
यदि आपका साथी आपसे नाराज है या गुस्से में है तो आप कुछ देर शान्त रहे, एक ग्लास ठण्डा पानी प्रस्तुत करें और वैततल कहे तथा बात को बदल दे। जैसे ही एक साथी वैततल कहे जवाब में आप भी अवश्य वैततल कहे । ताकी एक दूसरे की इगो को ठोस न पहूंचे।

२) आपस की बात आपस में :-
आपसी बात आपस में करें बच्चों या दूसरों के सामने कभी न करें।

३) कटू शब्द का प्रयोग न करें :-
विवाद की स्थिति में वाणी में कटुता आ जाती है अहम सर चढ़कर बोलने लगता है अतः ऐसी स्थिति में संयम धारण करें तथा कुछ बोलने के पूर्व वाणी को केवल एक सेकेण्ड भर विराम देवे क्योंकि ऐऐ वक्त पर अपने मुंह से निकले कटू शब्द आपके साथी के दिल पर आघात कर सकते है।

४) मै तुम्हे चाहता हूं (आई.लव.यू.) :-
यह बात आप जितनी भी बार कहेंगे उतनी बार आपकी पत्नि/पति को खुशी होगी और उसका मनोबल बढेगा।

५) क्या खूब लग रही हो :-
यदि कुछ अच्छा दिखे तो साथी की तारीफ करकने से न चूकें। जैसें - आज तुम अच्छी लग रही हो। वाह क्या बढ़िया खाना बनाया, घर कितना साफ एवं व्यवस्थित है। क्या बात है चाय में अपनी उगली डाल दी थी जो इतनी मीठी है, आदि-आदि।

६) कुछ खास लग रही हो :-
यदि पत्नि कई दिनों से अपना वजन कम करने के प्रयास में प्रसायरत है तो कभी कभी यह भी कर कर देखे :- आज तुम दुबली नजर आ रही हो।

७) उपलब्धि पर श्रेय :-
यदि आपको कोई उपलब्धि प्राप्त हो तो उसका श्रेय पत्नि/पति को भी दे और कहे कि यदि तुम्हारा साथ नहीं होता तो यह कामयाबी नहीं मिलती, तुमने ही मुझे पूर्णता दी है।

८) मैं तुम्हे मिस कर रहा हूं :-
यदि आप कहीं बाहर है या अकेले किसी पार्टी में है और आप अपने जीवन साथी से फोन पर बात कर रहे हैं तो यह अवश्य कहे कि मैं तुम्हे किस कर रहा हूं। काश तुम भी होते तो खुशी में चार चॉ लग जाते।

९) लम्बे सफर पर अवश्य जावे :-
साल में एक दो बार किसी रमणीय स्थल पर भ्रमण पर अवश्य जावे।

१०) पिक्चर दिखाना न भूले :-
वर्ष में एक दो बाद साथ साथ पिक्चर अवश्य देखे तथा लोटते वक्त बाहर ही अच्छे से शान्त होटल में डिनर लेते घर आवे। इन्टरवेल में सीतल पेय या पत्नि को जो अच्छा लगता हो वह लाकर उसे देवें।

११) तुम कमाल की मॉ हो :-
मां का दायित्व निभाना एक बहुत ही जबावदारी का दायित्व है, जिसमें पूरे परिवार को संस्कार मिलते है अतः अपनी पत्नि का होंसला बढाने के लिए उसकी तारीफ करते रहने से उसे खुशी तो मिलेगी ही साथ ही अपने महत्व और जवाबदारी को अहसास भी होगा।

१२) तुम बहुत अच्छी कुक हो :-
यदि किसी व्यंजन में पत्नि की कुशलता है तो उसकी अवश्य तारीफ करें और कहे तुम बहुत अच्छा बनाती हो आज तक वह स्वाद किसी ओर द्वारा बनाये गये व्यंजन में नहीं मिला।

१३) यह तुमने बहुत अच्छा किया :-
यदि पत्नि कोई नया कार्य या परिस्थितिवश कोई ऐसा निर्णय ले लेती है जो आपको उचित लगता है तो यह अवश्य कहे कि तुमने यह बहुत अच्छा किया, तबियत प्रसन्न हो गयी।

१४) तुम्हे पाकर मुझे गर्व है :-
जब कभी पत्नि अथवा पति को कोई उपलब्धि हो या वह अच्छे मुड में हो तो यह अवश्य कहे कि, मुझे तुम पर गर्व है।

१५) पत्नि पर भरोसा जताए :-
पत्नि को कोई कार्य सौपे तो यह अवश्य कहे कि मुझे तुम पर पूरा भरोसा है। तुम यह कार्य अच्छे से कर लोगी तथा यदि उसने तुम्हे कोई कार्य दिया है तो वह पूरा कर उसका विश्वास जीते ।

१६) सहानुभूति दिखाए :-
यदि आपकी पत्नि या पति का स्वास्थ्य ठीक नहीं है या किसी अन्य कारण से परेशान है तो आप उसके प्रति अपना प्यार जताए, चिन्ता व्यक्त करें और डाक्टर के पास चलने का कहें।

१७) मैं तुम्हे समझता हूं :-
आपसी पारिवारिक विवाद या भलाई/बुराई में पत्नि पर भरोसा जताए और कहे मैं तुम्हे अच्छे से समझता हूं कोई कुछ भी कहे तुम एक समझदार पत्नि हो अच्छे-बुरे को अच्छे से समझती हो, मेरे सुख-दुःख की साथी हो। संयम रखे सब ठीक हो जावेगां।

१८) भेट देना न भूले :-
पत्नि का जन्मदिवस हो, विवाह की वर्षगांठ हो, उसे भेंट देना न भूले चाहे वह गुलाब का फूल ही क्यो न हो, प्यार से दें।

१९) तुम मेरी सबसे बडी शुभ-चिन्तक हो :-
यही सच है कि पत्नि और मॉ से बड़ा कोई ओर दूसरा शुभ-चिन्तक आपका नहीं हो सकता।

२०) ईश्वर ने तुम्हे पूर्णता दी है :-
मैं तुम्हे पाकर अपने आप को धन्य समझता हूं। ईश्वर ने तुम्हे पूर्णता दी है, तुम एक सफल पत्नि के साथ सफल मॉ, बहु, बेटी व सफल बहन हो। इन तथ्यों का अहसास समय-समय पर उसे दिलाते रहें। पत्नि का मनोबल बढ़ेगा और उसके कार्य में निपुर्णता आवेगी।

२१) अपने पक्ष को सहजता एवं विनम्रता से रखे :-
हो सकता है कि किसी निर्णय पर आप दोनों एक मत न हो, ऐसे में पत्नि की पूरी बात को सुने, समझे, फिर अपने पक्ष को बडे ही विनम्रता एवं सहजता से रखे, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है और उचित निर्णय होने में सफलता मिलेगी।

उपरोक्त टीप को अजमाईये और देखिये 'स्वर्ग' घर में ही है।

इंजी शरद सेठी

NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER, JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHEMDNAGAR CHAPTER NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्र व्यवहार के लिए पता–जैन इंजीनियर्स सोसायटी, मनोप्रेम 144, कंचनबाग, इन्दौर–452 002 (भारत)
फोन : 0731-3044602 E-mail - jainengineers@eth.net, Website - www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/डिवीजन/1130/2009-11

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society,144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain